KIDS WORLD SCHOOL
SESSION – 2025-26
ANNUAL CURRICULUM PLANNER
CLASS –VII
SUBJECT – HINDI

MONTH	NAME OF THE LESSON	NUMBER OF PERIODS	CURRICULAR AIMS	CURRICULAR GOALS	COMPETENCIES	LEARNING OUTCOMES	TEACHING LEARNING PLANNED ACTIVITIES	**SUGGESTED** EVALUATION/ ASSESSMENT
JULY	कविता - 1 माँ, कह एक कहानी	4	न्याय और करुणा के भाव उत्पन्न करवाना। प्राणी मात्र के प्रति दया भाव उत्पन्न करना , करुणा और हिंसा में अंतर स्पष्ट करना , श्रवण - कथन मूल्य का विकास करना।	कल्पना शक्ति , निर्णय क्षमता का विकास करना , संवाद लेखन का ज्ञान करवाना, कहानी निर्माण का कौशल्य विकसित करना।	प्रेम भावना का अर्थ समझना, चर्चा करके विचारों को प्रकट करना , निडरता से कार्य करने की क्षमता जगना।	प्राणी मात्रा पर दया करना, सत्य के साथ निर्णय लेना , कहानी का निर्माण करना तथा सुनने की क्षमता में वृद्धि । कविता को संवाद रूप में बदलने की क्षमता का विकास। ।	एक पृष्ठ पर कोई कहानी का लेखन करें।	चर्चा द्वारा ,पहेली द्वारा, संवाद द्वारा, प्रश्न उत्तर द्वारा पाठ का मूल्यांकन।
	पाठ-2 तीन बुद्धिमान [लोककथा]	6	निरीक्षण क्षमता, तीव्र बुद्धि का विकास करना। तर्क के आधार पर कार्य करने का	पैनी दृष्टि का महत्व बताना, जाँच किए बिना कोई भी निर्णय न ले , हर व्यक्ति को अपने विचारों को प्रस्तुत करने का मौका देना चाहिए।	लोककथा का ज्ञान देना , कहानी को सुनने तथा तर्क करने की सोच को बढ़ावा देना , सोचकर निष्कर्ष	कहानी को स्वर में उतार-चढ़ाव के साथ बोल पाए। लोककथा का अर्थ समझे । घटना - वस्तु को ध्यान से देखने की	आँखों में पट्टी बांधकर दी गई वस्तु को पहचाना।	तर्क- विचारों द्वारा, अनुमान कल्पना द्वारा, कथा के सार द्वारा , बातचीत द्वारा सुनकर -

			प्रयास , स्थिति को समझकर निर्णय लेने की क्षमता का विकास।		निकालने का प्रयास करना।	दृष्टि का विकास हुआ।		देखकर अनुभव करके।
	व्याकरण 1 - भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण	1	विभिन्न 'भाषा' तथा उनको लिखने का तरीका ' लिपि' के बारे में जानकारी देना, क्षेत्रीय भाषा से अवगत कराना, व्याकरण से भाषा का शुद्ध रूप दर्शना।	भाषा , बोली में अंतर स्पष्ट करना मातृभाषा का महत्व समझाना, मौखिक तथा लिखित भाषा का ज्ञान करवाना, व्याकरण से शुद्ध रूप का ज्ञान देना।	भाषा का मूल तत्व लिपि समझना, वाक्य शुद्धता के लिए व्याकरण की आवश्यकता का ज्ञान होना, सीमित क्षेत्र की बोली की पहचान होना।	भाव और विचार को भाषा में व्यक्त करना आया, ध्वनियों का लिखित रूप लिपि समझे, शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण का महत्व समझे।	भाषा तथा उनकी लिपियों की सूची बनाइए।	भाषा, लिपि और व्याकरण पर विचार - विमर्श करना।
	8. संज्ञा के विकारी तत्व: लिंग, वचन ,कारक	3	संज्ञा के रूप से लिंग की पहचान करवाना ,शब्द की संख्या से वचन का ज्ञान होना, क्रिया को करने वाले कारक का	लिंग पहचानना, लिंग परिवर्तन करना, स्त्री- पुरुष जाति की पहचान करवाना, एक या अनेक से वचन को पहचाना, वचन परिवर्तन करना, सही कारक	कारक शब्दों से विभक्ति की पहचान करना , लिंग अनुसार वाक्य परिवर्तन करना, वचन अनुसार वस्तुओं की संख्या ज्ञात होना, परिवर्तन	कारक की पहचान तथा उसका उपयोग कर सके, लिंग अनुसार वाक्य में बदलाव करना आया, एकवचन और बहुवचन में अंतर समझ पाए।	लिंग ,वचन या कारक के पाँच वाक्य लिखिए।	प्रस्तुत परिभाषा तथा उदाहरण पर आधारित अति लघुत्तम प्रश्न

			परिचय करवाना।	का वाक्य में प्रयोग करने का ज्ञान देना।	करते समय पूर्वक ज्ञान का उपयोग करना।			
	18 -विज्ञापन लेखन	1	वस्तु की विशेषताओं को लोगों तक पहुँचाने का जरिया बताना, आकर्षक, सरल ,स्पष्ट ,बोधगम्य लेखन करना, आधुनिक विज्ञापनों का ज्ञान देना।	रंगीन ,आकर्षक विज्ञापन का प्रस्तुतीकरण करना, कम शब्दों का प्रयोग होना, प्रारूप के अनुसार लेखन कार्य होना।	उपभोक्ता को शीघ्र आकर्षित करने की क्षमता होना, प्रस्तुतीकरण में नवीनता होना, आधुनिक युग में विज्ञापनों का महत्त्व स्पष्ट होना।	कल्पना शक्ति के अनुसार विज्ञापन का निर्माण हुआ, प्रारूप तथा नियमों की जानकारी प्राप्त हुई, छूट टिकाऊ ,सस्ती शब्दों का प्रयोग करना आया, मनोरंजन हुआ।	दंत मंजन के लिए एक विज्ञापन लिखिए।	विज्ञापन लिखते समय महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा।
AUGUST	कविता 3: फूल और काँटा	4	स्वभाव के भिन्नता का ज्ञान देना, श्रेष्ठ कार्य को अपनाने का लाभ दर्शना, गुणों की पहचान करने का प्रयास करवाना।	बड़प्पन का ज्ञान करवाना , स्वभाव को जानना तथा बदलने का प्रयास करवाना , समान अवसर पर विभिन्न स्वभाव का अंतर समझना, निर्णायक स्थिति का वर्णन करना।	सभी परिस्थितियों में सही कार्य करना, बुरे कार्य से हानि तथा अच्छे कार्य से सुख की प्राप्ति होने का ज्ञान, स्वभाव में पाए जाने वाले अंतर का ज्ञान।	स्वभाव में सही गलत का ज्ञान, परिस्थिति का आकलन करने आया , भावनाओं के साथ मानवीय कर्तव्य का ज्ञान , अच्छे - बुरे होने गुणों पर चर्चा,	वाद - विवाद प्रतियोगिता (विषय - भावनात्मक होना आज के जीवन की आवश्यकता)	संवाद द्वारा, अनुच्छेद द्वारा, वाद - विवाद द्वारा, प्रश्न - उत्तर द्वारा ज्ञान

						निर्णयक क्षमता का विकास।		
	पाठ 4: पानी रे पानी (निबंध)	5	भूजल के महत्त्व का ज्ञान, जलसंकट का ज्ञान, प्राकृतिक वस्तु का महत्त्व, सार्वजनिक कर्तव्य का ज्ञान , जल संग्रह का महत्त्व	तालाब , नदियों के निर्माण की आवश्यकता, सार्वजनिक कार्यों में हमारे कर्तव्य पर भर देना , पानी का अपव्यय टालना , भूजल स्तर बढ़ने के उपायों पर काम करना।	भूजल स्तर की जानकारी प्राप्त, वर्षा जल संग्रहण का महत्त्व ज्ञात , सामाजिक कर्तव्य की भावना जागृत, प्रकृति के देन की सुरक्षा तथा नवनिर्माण का ज्ञान	जल संग्रह की विधि का ज्ञान हुआ , जल स्त्रोत बढ़ाने की आवश्यकता समझे, प्रकृति के प्रति कर्तव्य का ज्ञान हुआ , पानी की बचत तथा योग्य निवारण का महत्त्व समझे।	स्लोगन लेखन (पानी के प्रति संदेश)	कार्य कृति द्वारा , चित्र वर्णन द्वारा ,चर्चा द्वारा ,पठन- लेखन सामग्री द्वारा, प्रश्न उत्तर द्वारा
	2.वर्ण-विचार	1	भाषा के ध्वनि की पहचान करवाना, सबसे छोटी इकाई वर्ण का परिचय करवाना, स्वर को मात्राओं के रूप में लिखवाना, अनुस्वार - अनुनासिक का ज्ञान देना।	वर्णमाला के स्वर व्यंजनों से अवगत करना, अनुस्वार-अनुनासिक के चिन्ह के चिन्ह का अंतर स्पष्ट करना, वर्ण - विच्छेद ,वर्ण - संयोजन की संकल्पना का ज्ञान देना।	भाषा की लिपि वर्णों में लिखना-समझना, विशेष चिन्हों की जानकारी प्राप्त होना, स्वर - व्यंजनों से वर्णमाला का निर्माण करना।	वर्णों का मेल संयोजन और वर्णों को अलग करना विच्छेदन क्रिया का ज्ञान हुआ, अनुस्वार तथा अनुनासिक चिन्ह का प्रयोग करने समझे।	वर्णों के प्लक्कार्ड द्वारा स्वर और व्यंजन की वर्णमाला तैयार करेंगे।	बनाई गई वर्णमाला द्वारा स्वर व्यंजन का मूल्यांकन।

	3.संधि	2	वर्णों के मेल से विकार (परिवर्तन) उत्पन्न होना , संधि - विच्छेद संधि - विग्रह का ज्ञान करवाना, संधि के भेद का परिचय करवाना।	वर्णों के परस्पर मेल से नए शब्द का निर्माण होना, स्वरों के मेल से स्वर संधि का निर्माण, व्यंजनों से व्यंजन संधि का निर्माण, विसर्ग से विसर्ग संधि का निर्माण होना ।	स्वर के मिलान से संधि का निर्माण होता है, नियमों के आधार से संयोजन करना, सबसे वर्णों को अलग करना।	नियमों के आधार पर स्वर संधि के भेद पहचान सके, स्वर संधि, विसर्ग संधि ,व्यंजन संधि में अंतर स्पष्ट करना आया, शब्द विच्छेदन की क्रिया का ज्ञान हुआ।	संधि की परिभाषा समझाएँ प्रत्येक प्रकार के उदाहरण पर चर्चा।	कार्यपत्रक लेखन कार्य विधि दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
	4.शब्द - विचार	1	सार्थक शब्द का ज्ञान होना, शब्द और पद में अंतर स्पष्ट करना, शब्दों का वर्गीकरण स्पष्ट करना, शब्द भेद का ज्ञान करवाना।	अर्थ के आधार पर रचना के आधार पर शब्दों का भेद बताना, विकारी- अविकारी शब्दों का ज्ञान करवाना, पद का वाक्य में उपयोग करना।	तत्सम - तद्भव शब्दों में अंतर स्पष्ट करना, वर्णों का सही क्रम सार्थक शब्द कहलाता है यह समझना, शब्द के प्रयोगों से भाषा के स्तर को समृद्ध करना।	सार्थक - निरर्थक शब्द समझ सके, विदेशी ,देशज, संकर शब्दों में अंतर स्पष्ट कर सके, विकारी और अविकारी शब्दों का ज्ञान हुआ।	शब्द की परिभाषा ,रचना और प्रकार पर चर्चा करना ।	शब्द की परिभाषा ,रचना और प्रकार पर मौखिक प्रश्न उत्तर पाठ संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।

	18 - संवाद लेखन	1	संवाद लेखन के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना।	संवाद लेखन लिखने में समर्थ बनाना। उपयुक्त विराम चिन्ह का उपयोग करना, विषय से जुड़कर रहने का ज्ञान होना।	संवाद लेखन की शैली का विकास करना । भाषा का सरल ,स्पष्ट और सटीक होने का ज्ञान, शब्द सीमा का ध्यान देना।	प्रारूप अनुसार लेखन कार्य हुआ। भाषा शैली तथा कल्पना शक्ति का विकास हुआ।	जंगल के वन्य जीव पात्र बनकर संवाद प्रस्तुत करें।	मौखिक संवाद (लघु उत्तरीय प्रश्न)
	18 - चित्र वर्णन	1	चित्र वर्णन के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना।	चित्र में दिखाई देने वाले वस्तुओं का वर्णन करना, वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबंधित होना।	चित्र में दिए गए विचारों को अपनी भाषा से स्पष्ट करना, कल्पनाशक्ति के आधार पर वाक्य निर्मित करना।	चित्र में दिए गए विचारों को अपनी भाषा में लिख पाए, लेखन शैली का विकास हुआ, विषय अनुकूल वर्णन करना सीखे।	अपने विचारों से कोई एक सुंदर चित्र बनाए।	चित्र द्वारा विषय का विचार विनिमय करना।
SEPTEMBER	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ	2	सहज जीवन पर ध्यान देना चाहिए, अतीत में बीते घटनाओं का भविष्य पर असर न होने दे, मन के	सही कार्य से दोष और अपराध की भावना का मिटना, मन के विश्वास के साथ कार्य करना, भौतिक सुख होने की अपेक्षा न करना।	सही कार्य से दोष और अपराध की भावना का मिटना, मन के विश्वास के साथ कार्य करना, भौतिक सुख होने की अपेक्षा न करना।	बिना विचार से किया गया कार्य मन में खटकता है यह समझे , हमेशा आगे बढ़ना चाहिए यह समझे, कार्य करने से पहले सोचने की	जल्दबाजी में बिना हेलमेट के बाइक चलाने पर पुलिस ने चालान काट दिया। इस पर आप क्या सोचते हैं? स्थिति का	दी गई छंद में से किसी दो छंद के विशेषता का संदेश व चित्रण करना।

			अशांत रहने का कारण बताना।			आवश्यकता समझे।	वर्णन कीजिए।	
	5.शब्द भंडार	1	समान अर्थ वाले , उलट अर्थ वाले , अनेक अर्थ रखने वाले शब्दों का ज्ञान होना, वाक्यांश के लिए एक शब्दों का प्रयोग करने आना, समश्रुत-भिन्नार्थक शब्दों का ज्ञान करवाना।	पर्यायवाची ,विलोम शब्द ,अनेकार्थी शब्द ,वाक्यांश के लिए शब्द, समश्रुत - भिन्नार्थक शब्दों का ज्ञान देना, शब्द के अनुसार वाक्य का अर्थ बदलना।	नए शब्दों को समझ कर शब्दों के अर्थ को प्रसंग के अनुसार समझ कर शब्दों का वाक्य में प्रयुक्त प्रयोग करना।	अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए उपयुक्त शब्दों का चयन कर सकते हैं ।	विभिन्न प्रकार के शब्दों पर चर्चा करना।	मौखिक प्रश्न उत्तर पाठ संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।
	6.शब्द - रचना ; उपसर्ग, प्रत्यय, समास	3	उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा बने नए शब्दों को पहचानना और उनका अर्थ स्पष्ट करवाना।	विद्यार्थियों को शब्दों की रचना में उपसर्ग और प्रत्यय की भूमिका को समझाना, जिससे वे नए शब्दों का निर्माण और उनके अर्थ का सही बोध कर सकें।	विद्यार्थी मूल शब्द में उपसर्ग या प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बना सकते हैं। विद्यार्थी वाक्यों में उपसर्ग और प्रत्यय का सही	विद्यार्थी नए शब्दों का निर्माण और उनके अर्थ का सही बोध कर सकें, तथा भाषा के प्रयोग में अधिक सक्षम बनते हैं।	चार्ट द्वारा उपसर्ग, प्रत्यय का स्पष्टीकरण छात्र स्वयं करेंगे।	कार्यपत्रक (वर्कशीट) लेखन कार्य विधि [दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

					प्रयोग कर सकते हैं।			
	7.संज्ञा	1	संज्ञा का परिचय करवाना, संज्ञा के भेद की जानकारी देना, भाववाचक संज्ञा की रचना करना।	व्यक्तिवाचक ,जातिवाचक ,भाववाचक से परिचय करवाना, संज्ञा के मूल रूप से भाववाचक संज्ञा का निर्माण करना।	दैनिक जीवन में वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा शब्द को सही ढंग से पहचानकर संज्ञा का प्रयोग करना ।	व्यक्ति, भाव और जाति में अंतर समझे , भाववाचक संज्ञा का रूप बनाना आया, संज्ञा के भेद के उदाहरण को वाक्य में रूपांतरित करना आया ।	संज्ञा के भेद को दर्शाता हुआ 'वॉल हैंगिंग' तैयार कीजिए।	कार्यपत्रक (वर्कशीट) लेखन कार्य विधि दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
	18 – पत्रलेखन (अनौ-पचारिक)	2	पत्र लेखन के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना। संदेश को भेजने वाले सरलता तथा सस्ता साधन से परिचय करवाना।	पत्र के भेद से परीक्षित करवाना, विषय पर आधारित लेखन करना।	भाषा सरल , सहज होनी चाहिए, वाक्य छोटे व सारगर्भित होने चाहिए।	लेखन शैली में मुहावरे ,कहावतों का प्रयोग करना आया, लिखाई स्पष्ट और अच्छी हुई ,भाव को अभिव्यक्त कर सके, छोटे वाक्य का निर्माण हुआ, प्रारूप के अनुसार पत्र लिख पाए।	पत्र लेखन और सूचना पर सामूहिक चर्चा व एक उदाहरण A4 साइज पेपर पर लिखना ।	लिखित उदाहरण का अनुकरण

	18 - सूचना लेखन	1	सूचना लेखन, के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना। विशेष समूह तक जानकारी पहुँचाने के साधन की जानकारी देना।	किसी विशेष सूचना को सार्वजनिक करवाना, सूचना, तिथि ,नाम ,पद ,हस्ताक्षर से परिचय करवाना।	सूचना लेखन के नियम ज्ञात करवाना, सूचना को सार्वजनिक बनाने का तरीका बताना, विशिष्ट शब्द जैसे सूचना, तिथि का ज्ञान करवाना।	सूचना लेखन के नियम ज्ञात करवाना, सूचना को सार्वजनिक बनाने का तरीका बताना, विशिष्ट शब्द जैसे सूचना, तिथि का ज्ञान करवाना।	विद्यालय में वार्षिक उत्सव मनाए जाने की सूचना लिखिए। हुआ।	लिखित उदाहरण का अनुकरण
OCTOBER	**Revision of all the lessons covered in the Term I Examination will be done using worksheets, followed by the conduct of the Term I Examination.**							
NOVEMBER	पाठ 5: नहीं होना बीमार	3	विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और जागरूक जीवनशैली के प्रति समझ विकसित करना तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य की जिम्मेदारी का बोध कराना।	बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता और सतर्कता का महत्व जानें। विद्यार्थी स्वस्थ रहने की आदतों और कारणों को समझें।	स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को आत्मसात करने और उस पर अमल करने की दक्षता। अपने अनुभवों और विचारों को मौखिक व लिखित रूप में	छात्र यह जान पाएगा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या कितनी आवश्यक है।	दैनिक जीवन चक्र - विद्यार्थी एक चार्ट बनाएगें जिसमें वे अपने दिनचर्या को दर्शाते हुए उस पर चर्चा करेंगे ।	स्वास्थ्य पर सामूहिक चर्चा पाठ पर आधारित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

					अभिव्यक्त करने की क्षमता।			
	कविता 7: वर्षा बहार	4	विद्यार्थियों में प्रकृति की सुंदरता, विशेषकर वर्षा ऋतु की छटा, का रसात्मक अनुभव कराना और काव्य सौंदर्य की सराहना करना सिखाना।	प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति संवेदनशीलता और सराहना की भावना विकसित कराना।	कविता की कल्पना शक्ति, प्रतीकों और चित्रों की पहचान करने की क्षमता। प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता।	अनुभवों और भावनाओं को मौखिक और लिखित रूप में व्यक्त कर सकेगा।	अपने क्षेत्र के किसी लोक नृत्य का वर्णन करना ।	असम और अपने राज्य के संस्कृति की तुलना करते हुए अनुच्छेद लिखना।
	9.सर्वनाम	2	भाषा में सर्वनाम का प्रयोग सिखाना ताकि दोहराव से बचते हुए शुद्ध और प्रभावी अभिव्यक्ति कर सकें।	सर्वनाम की परिभाषा, प्रकार और प्रयोग की जानकारी देकर संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का सही प्रयोग करना सिखाना।	वाक्यों में सर्वनाम की पहचान कर सकें। लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति में सर्वनामों का प्रयोग शुद्धता से होना ।	सर्वनाम की परिभाषा प्रकार और प्रयोग की जानकारी प्राप्त करते हैं तथा संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का सही प्रयोग करना सिखते हैं ।	छात्रों को कुछ वाक्य में दिए गए संज्ञा की जगह सर्वनाम इस्तेमाल करके वाक्य दोबारा लिखने का अभ्यास।	लिखे गए वाक्य में सर्वनाम की पहचान करके उसे अन्य वाक्य में प्रयोग करना। कार्यपत्रक (वर्कशीट)
	10.विशेषण	3	शब्दों की विशेषता पहचानने और उसे व्यक्त	संज्ञा ,सर्वनाम की विशेषता बताना, विशेषण के भेद का परिचय करवाना,	शब्दों की विशेषता पहचानने और उसे व्यक्त करने	विशेष्य ,विशेषण से परिचय हुआ, विशेषण के भेद की तुलना कर	फ्लिपकार्ट द्वारा संज्ञा और विशेषण	संज्ञा और विशेषण की बनाई गई जोड़ी का विश्लेषण

			करने की क्षमता प्रदान करना।	विशेषण की अवस्थाओं का ज्ञान देना।	की क्षमता प्रदान करना । विशेषण के भेद में अंतर स्पष्ट करना।	पाए। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय शब्दों से विशेषण की रचना कर पाए।	की जोड़ी बनाएंगे ।	करते हुए विशेषण शब्दों का अन्य वाक्य में प्रयोग करना । कार्यपत्रक
	18 - कहानी लेखन	1	कहानी लेखन के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना। कहानी के द्वारा कल्पना शक्ति का विकास करना, भूतकाल में वाक्य का निर्माण करना।	नियमों अनुसार कार्य करना, कथा अनुसार शीर्षक का चुनाव करना, विषय अनुसार वाक्यों को भूतकाल में बनाना।	कहानी के अंगों से परिचय करवाना, शीर्षक तथा सीख का महत्व बताना, भाषा का सरल सहज मुहावरेदार होना, भूतकाल में वाक्य को बनाना आना।	अपने विचारों को कहानी के द्वारा प्रस्तुत किया, कल्पना शक्ति का विकास हुआ, योग्य शीर्षक तथा सीख समझने का ज्ञान हुआ।	विद्यार्थी दैनिक जीवन से जुड़ी कोई एक कहानी साझा करेंगे।	दिए गए विषयों में से किसी एक पर कहानी एवं डायरी लेखन करेंगे।
	18- डायरी लेखन	1	प्रारूप अनुसार लेखन कार्य करना, हमारे जीवन में घटी घटनाओं का वर्णन करना, समस्याओं के	लंबे समय तक व्यक्तियों के ,स्थान के ,अनुभव के घटनाओं को याद रखना, तनाव कम करना।	दैनंदिन जीवन की घटनाओं को लिखना, नियमानुसार लेखन कार्य करना।	प्रारूप अनुसार लेखन कार्य करने आया ,भाषा शैली का विकास हुआ, लेखन का विवरण संक्षिप्त तथा तथ्यों पर आधारित था।	पहली बार मंच पर खड़े होकर कविता सुनाने का अनुभव डायरी लेखन के द्वारा लिखिए।	

			समाधान की दिशा में काम करना।					
	18 - प्रतिवेदन लेखन	1	प्रारूप अनुसार लेखन कार्य करना, कार्यक्रम का क्रमबद्ध विवरण करना, घटनाओं का क्रमिक वर्णन, सरल, छोटे वाक्य का निर्माण करना।	सूचनाओं की सही जानकारी देना, कार्यक्रम संबंधी सभी बातों का ज्ञान होना।	नियम अनुसार लेखन कार्य करना, सार्वजनिक कार्यक्रमों की वार्ता करना।	कार्यक्रम का वर्णन नियम अनुसार कर पाए, सूचना सार्वजनिक बना पाए, छोटे वाक्य का निर्माण करने आया।	विद्यालय में लगे 'बाल मेला' के बारे में एक प्रतिवेदन लिखिए।	दिए गए विषय पर प्रतिवेदन लेखन करेंगे।
DECEMBER	11 - क्रिया-काल वाच्य	3	क्रिया-काल की पहचान, प्रकार और प्रयोग की समझ देना , कार्य के करने पर क्रिया होना, क्रिया के समय से काल पहचाना।	वाक्य में किया गया कार्य या अवस्था पहचानना सिखाना । काल का क्रिया से संबंध स्पष्ट करना, कर्म के आधार पर क्रिया का निर्माण तथा भेद होना।	क्रिया में अंतर स्पष्ट करना, समय के अनुसार काल में परिवर्तन करना तथा काल पहचाना।	क्रिया से काल पहचान पाए, कर्म से सकर्मक क्रिया का भेद समझे, वाक्य में काल परिवर्तन करना आया।	ब्लैकबोर्ड पर लिखे वाक्यों में क्रिया शब्दों को पहचान कर रेखांकित करेंगे तथा पहचाने हुए शब्दों को अपने वाक्य में प्रयोग करेंगे।	क्रिया शब्दों पर आधारित वर्कशीट हल करना ।

JANUARY	पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार	3	भारतीय शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर कथक और उसकी महान परंपरा से परिचित कराना एवं कला-संस्कृति के प्रति सम्मान और रुचि विकसित करना।	भारतीय सांस्कृतिक धरोहर (कथक नृत्य) के प्रति जागरूकता और गर्व का भाव उत्पन्न हो।	कला-संस्कृति से जुड़ी जानकारी ग्रहण करने और उस पर संवाद करने की क्षमता। पाठ में व्यक्त विचारों और अनुभवों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उसे अपनाने की क्षमता।	बिरजू महाराज के योगदान के माध्यम से कथक नृत्य की विशेषताओं और भारतीय नृत्य परंपरा की महत्ता को समझेगा।	छात्र समूह में कत्थक नृत्य की विशेषताएं, वेशभूषा, पृष्ठभूमि आदि पर चार्ट बनाएंगे ।	भारत में विभिन्न प्रकार के नृत्य कलाओं पर चर्चा अर्जित ज्ञान पर आधारित प्रश्न उत्तर
	कविता 9: चिड़िया	3	स्वतंत्रता, सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम तथा मानवीय मूल्यों की भावना को काव्य के माध्यम से विकसित करना।	प्रकृति और प्राणियों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का विकास करना।	कल्पनाशक्ति और संवेदनशीलता को विकसित करते हुए विचार व्यक्त करने की दक्षता ।	चिड़िया के जीवन, संघर्ष और स्वतंत्रता की भावना को समझते हुए जीवों के प्रति दया और सहानुभूति का भाव विकसित करेगा।	चिड़िया का चित्र बनाएंगे तथा दो तीन वाक्य में चिड़िया के गुण लिखेंगे जैसे वह मेहनती, स्वतंत्र और चंचल है ।	चिड़िया के जीवन से जुड़ी बातों पर मौखिक मूल्यांकन । पठित कविता के आधार पर कविता का स्पष्टीकरण ।
	12. अव्यय या अविकारी शब्द	3	अव्यय शब्दों की पहचान, प्रकार और प्रयोग सिखाना	अव्यय और व्याकरण के अन्य पदों में अंतर करना सिखाना। अव्ययों में आने वाले	क्रिया की विशेषता वाले क्रिया विशेषण, पदो, उपवाक्यों	शब्द से अवयव पहचान पाए, योग्य अव्यय का वाक्य में उपयोग	विद्यार्थी समूह में अव्यय की पाँच उदारहरण	लिखे गये शब्दों को मौखिक व लिखित रूप से दर्शाना ।

			,क्रिया की विशेषता, संज्ञा या सर्वनाम का संबंध अव्यय होना, योजक शब्द का परिचय करवाना।	प्रकारों को ज्ञात करवाना, विशेषण और क्रिया विशेषण में अंतर स्पष्ट करना, संज्ञा का संबंधबोधक से संबंध दर्शना।	को जोड़ने वाले समुच्चयबोधक, भाव को व्यक्त करने वाले विस्मयादिबोधक शब्दों का ज्ञान करवाना।	करना आया, योजक अव्यय जोड़ने आए। अव्ययों का व्याकरण में उपयोग समझे।	और वाक्य तैयार करके चार्ट पेपर पर लिखेगे ।	
	13.वाक्य विचार	2	वाक्य के अंग का परिचय करवाना, वाक्य के भेद के स्पष्ट करना, सही शब्दों से वाक्य का निर्माण करना।	अर्थ के आधार पर, रचना के आधार पर वाक्य के भेद स्पष्ट करना। वाक्य के दो अंगों में अंतर स्पष्ट करना। अर्थ को प्रकट करने वाले शब्दों का समूह बनाना।	विधान वाचक, प्रश्नवाचक, निषेधवाचक, इच्छावाचक, संदेहवाचक, आज्ञावाचक ,विस्मयवाचक वाक्य में अंतर समझे। वाक्य के रचना के आधार पर वह वाक्य क्या भेद बताना।	वाक्य के भेद पहचान पाए ,विधानवाचक को निषेधवाचक में वाक्य परिवर्तन करना आया, वाक्य के आधार पर वाक्य के भेद को निर्माण करना आया।	विद्यार्थी शब्दों का प्रयोग करते हुए सार्थक वाक्य रचना करेंगे तथा अलग अलग वाक्य का अर्थ बताएंगे ।	वाक्य रचना पर आधारित कार्यपत्रक (वर्कशीट) लेखन कार्य विधि [दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
	18 - अनुच्छेद लेखन	1	अनुच्छेद लेखन के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना।	सीमित शब्दों में विचारों को क्रम से व्यक्त करना, विषय से संबंधित लेखन कार्य करना, छोटे	भाषा सरल, स्पष्ट और रोचक बनाना, संकेत बिंदु के आधार पर विषयों का क्रम तैयार करना,	अनुच्छेद का प्रारूप समझे, विषय से संबंधित लेखन कर पाए, भाषा ,सरल ,स्पष्ट रोचक थी।	त्योहारों का महत्त्व इस विषय पर एक अनुच्छेद लेखन कीजिए।	लिखे गए अनुच्छेद का मूल्यांकन करके उसे निबंध रूप में दर्शाएंगे ।

			संकेत बिंदु के आधार पर विषयों की रचना करना।	तथा अर्थपूर्ण वाक्य निर्माण करना।	लेखन विषय से संबंधित होना।			
	निबंध लेखन	1	प्रारूप के अनुसार निबंध लेखन करना ,विषय के अनुरूप निबंध का लेखन, भूमिका ,विषय का प्रसार, उपसंहार में स्पष्ट करना।	समय ,शब्द - सीमा का ध्यान रखना, निबंध के प्रकार वर्णनात्मक ,विवरणात्मक, भावनात्मक, विचारात्मक का ज्ञान करवाना।	भाषा विषय के अनुकूल होना, प्रस्तावना, विषय का महत्व ,उपसंहार इनका ज्ञान करवाना।	प्रारूप के अनुसार निबंध लिख पाए, विषय से संबंधित विचारों को व्यक्त किया, संकेत बिंदु के आधार पर वाक्य निर्माण करने आया।	'समय का सदुपयोग' इस विषय पर निबंध लेखन करें।	बिंदु के आधार पर निबंध लेखन करना।
FEBRUARY	पाठ 10: मीरा के पद	2	भक्ति भावना, आत्मसमर्पण, आस्था और भारतीय संत साहित्य की गरिमा को समझने की क्षमता विकसित करना।	मीरा के पद में दी गई भक्ति की भावना का विस्तृत विश्लेषण करना मीरा के पद में निहित गहरी भाव ,भक्ति और प्रेम की समझ का भाव उत्पन्न कराना।	भक्ति, समर्पण और संत साहित्य के विचारों को जीवन से जोड़ने की क्षमता।	मीरा बाई की कृष्ण भक्ति, प्रेम, समर्पण और आस्था की भावना को समझेगा और उस भाव को आत्मसात करेगा।	विद्यार्थी मीराबाई के जीवन पर आधारित जीवनी लिखना।	मीराबाई के जीवन पर अर्जित ज्ञान पर प्रश्नों द्वारा मूल्यांकन ।

	14 - विराम चिह्न	2	विराम चिह्नों के प्रकार, प्रयोग और महत्व की जानकारी देना ।	विराम चिह्नों की परिभाषा और उनकी आवश्यकता को समझाना।	लेखन में सही स्थान पर विराम चिह्नों का प्रयोग करना ।	छात्र विराम - चिन्ह के प्रकार प्रयोग और महत्त्व की जानकारी प्राप्त करते हैं और उसकी आवश्यकता को समझते हैं।	विद्यार्थी विराम चिन्ह का प्रयोग करते हुए वाक्य को शुद्ध करेंगे।	कार्यपत्रक (वर्कशीट) लेखन कार्य विधि [दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
	15 - वर्तनी तथा वाक्य संबंधी अशुद्धि शोधन	1	भाषा के प्रति समझदारी और शुद्ध लेखन की आदत विकसित करना ।	वाक्य रचना की अशुद्धियों को समझना और उन्हें शुद्ध करना सिखाना।	भाषा के प्रति जागरूक बनें और शुद्ध भाषा के प्रयोग को प्राथमिकता दें ।	वाक्य में व्याकरणिक अशुद्धियों को पहचानकर शुद्ध वाक्य बना सकेंगे।	शिक्षक शुद्ध वर्तनी वाले वाक्य बोलेंगे, छात्र लिखेंगे। फिर उत्तर मिलाएंगे।	मिश्रित प्रश्नों वाली वर्कशीट – सही/गलत पहचानो, रिक्त स्थान भरो, वाक्य शुद्ध करो।
	16 - मुहावरे	1	मुहावरों की पहचान, अर्थ और प्रयोग सिखाना ।	लोकप्रिय व प्रचलित मुहावरों से परिचित कराना ताकि वाक्य में मुहावरों का प्रयोग करके अभिव्यक्ति को रोचक बना सकें ।	मुहावरों का वाक्य में सही और सटीक प्रयोग कर सकें । रचनात्मक लेखन में मुहावरों के प्रयोग से भाषा को सजीव बनाना ।	दैनिक जीवन में मुहावरे का प्रयोग कर भाषा को आकर्षक व रोचक बनाते हैं।	विद्यार्थी मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग करेंगे तथा A4 साइज पेपर पर मुहावरों के चित्र बनाएंगे ।	मुहावरों पर आधारित कार्य पत्रक लेखन कार्य विधि करेंगे तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर लिखेंगे ।

	पत्र (औपचारिक) ई - मेल लेखन, संदेश लेखन	4	पत्र लेखन ई - मेल लेखन संदेश लेखन की के प्रारूप की जानकारी प्राप्त करवाना।	पत्र लेखन ई - मेल लेखन संदेश लेखन में समर्थ बनाना।	पत्र लेखन ई - मेल लेखन संदेश लेखन की शैली का विकास करना।	पत्र लेखन ई - मेल लेखन संदेश लेखन की शैली का विकास होता है ।	पोस्टकार्ड का कलाकृति द्वारा का नमूना बनाएं।	बनाए हुए पोस्टकार्ड पर अनौपचारिक पत्र लिखकर भेजना। [दीर्घ उत्तरीय प्रश्न]
March	**Revision of all the lessons covered in the Term II Examination will be done using worksheets, followed by the conduct of the Term II Examination.**							